Publication	Dainik Jagran(City)
Edition	Meerut, Meerut Dehat
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	10th Jan 2020

दैनिक जागरण

स्मार्ट मेरठ में सड़क, पार्क और स्कूल सभी होंगे स्मार्ट

कमिश्नर आवास पर बैठक ● जागरण

जागरण संवाददाता, मेरठ : केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी योजना से वंचित रहने वाले प्रदेश के मेरठ समेत सात शहरों को प्रदेश सरकार राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्मार्ट बनाएगी। गुरुवार को कमिश्नर अनीता सी मेश्राम ने डीएम और नगर निगम, एमडीए समेत विभिन्न विभागों के अफसरों के साथ बैठक करके स्मार्ट मेरठ का प्लान तैयार किया। तय किया गया कि मेरठ में 4 मुख्य मार्गों को चयनित करके उन्हें स्मार्ट बनाया जाएगा। उन मार्गों के पार्क और स्कूल भी स्मार्ट बनेंगे। शहर में दो मल्टीलेवल पार्किंग बनाने, टाउन हॉल और नौचंदी ग्राउंड का सौंदर्यीकरण करने तथा नौचंदी मैदान को दिल्ली हॉट की तर्ज पर विकसित करने का प्रस्ताव भी प्लान में शामिल किया जाएगा।

मंडलायुक्त ने गुरुवार को शिविर कार्यालय यह बैठक की। उन्होंने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, अयोध्या, फिरोजाबाद, गौरखपुर, मथुरा और शाहजहांपुर को प्रदेश सरकार राज्य स्मार्ट सिटी मिशन से स्मार्ट बनाएगी। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को समय से पूर्ण कराया जा सके तथा जिनकी डीपीआर तैयार करने में कोई बाधा न आए उन्हें सबसे पहले लिया जाए। उन्होंने बताया कि योजना की मॉनिटरिंग के लिए सरकार ने लखनऊ में एक सेल का गठन किया है। ताकि योजना के कार्य समयसीमा में पूरे किए जा सकें।

कमिश्नर ने नगर आयुक्त को पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन के साथ शहर की सड़कों का सर्वे कराकर उन्हें ठीक कराने का निर्देश दिया। एमडीए उपाध्यक्ष को अपनी योजनाओं में स्थापित 13 एसटीपी और ईटीपी प्लांटों पर सौर ऊर्जा सिस्टम स्थापित करने का प्रोजेक्ट बनाकर शासन को भेजने का निर्देश दिया ताकि इनके बिजली के खर्च को कम किया जा सके। नगर आयुक्त और एमडीए उपाध्यक्ष को शहर में दो मल्टीलेवल पार्किंग के लिए भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी अनिल ढींगरा ने बैठक में बताया कि स्मार्ट सिटी की योजना तैयार करने के लिए शासन द्वारा कमिश्नर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति डीपीआर तैयार करके शासन को उपलब्ध कराएगी। इसके प्रमुख अंग पर्याप्त जलापूर्ति, स्वच्छ पर्यावरण, सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समेत दस कार्य हैं। योजना के तहत नए प्रयोग किए जाने हैं। ताकि उन्हें देखकर दूसरे राज्य और शहर भी प्रेरित हों सके। बैठक में सीएमओ डा. राजकुमार, मेरठ सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी विजय कुमार शामिल रहे।

रैपिड और मेट्रो के लाइनमेंट का रखें ध्यान

कमिश्नर ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जो भी कार्य प्रस्तावित किए जाएं उनमें रैपिड और मेट्रो के अलाइनमेंट का ध्यान रखा जाए। वह प्रभावित न हो।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में शामिल होंगे ये कार्य

- चार प्रमुख मार्गों को स्मार्ट सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा।
- इन मार्गों पर पड़ने वाले सभी पार्क भी बनेंगे स्मार्ट।
- शहर में दो स्थानों पर बनेंगी मल्टीलेवल पार्किंग।
- टाउन हॉल, उसकी लाइब्रेरी और पार्क का सौंदर्यीकरण होगा।
- अच्छे पार्क विकसित किए जाएंगे।
- शहर के प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाया जाएगा।
- शहर में वेंडिंग और नो वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे।
- नगर क्षेत्र में कुछ प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में तैयार किया जाएगा।
- वाराणसी की भांति मेरठ में भी नगर निगम क्षेत्र में कमांड और कंट्रोल सेंटर बनाएगा।
- मेरठ नगर निगम को ई नगर निगम बनाया जाएगा।

जनवरी के अंत तक तैयार करें प्रोजेक्ट

कमिश्नर ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट 14 फरवरी तक शासन को भेजा जाना है। उन्होंने अधिकारियों से जनवरी अंत तक प्रोजेक्ट तैयार करने का निर्देश दिया। इसके लिए सभी विभाग परस्पर समन्वय के साथ काम करें।

Publication	Hindustan
Edition	Meerut
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	05
Date	08th Jan 2020

Live हिन्दुस्तान .com

दिल्ली के साथ ही करनाल का सफर भी होगा आसान, अभी आठ साल करना होगा इंतजार

अब मेरठ से करनाल तक दौड़ेगी रैपिड रेल

मेरठ | मुख्य संवाददाता

रैपिड रेल से अब मेरठ से दिल्ली के साथ ही मेरठ से करनाल का सफर भी आसान हो जाएगा। करीब 100 मिनट में मेरठ के लोग फर्राटा भरते हुए दिल्ली होते करनाल तक सफर कर सकेंगे। हालांकि इसके लिए आठ साल का इंतजार करना पड़ेगा।

एनसीआरटीसी की ओर से दिल्ली से मेरठ का काम तो तेजी से किया जा रहा है ताकि 2024 में इस कॉरिडोर को चालू किया जा सके। अब हरियाणा सरकार ने करनाल तक सराय काले खां-दिल्ली पानीपत कॉरिडोर क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) यानी रैपिड रेल का विस्तार करने का फैसला किया है। इस निर्णय से मेरठ से करनाल तक का सफर रैपिड रेल से आसान हो जाएगा। करनाल सहित पूरे एनसीआर में आवागमन बेहतर हो जाएगा। इस कॉरिडोर में हरियाणा की हिस्सेदारी लगभग पांच हजार करोड़ है जो कुल लागत का 16 प्रतिशत है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में संबंधित अधिकारियों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि एनसीआर-2032 के लिए परिवहन पर कार्यात्मक योजना के तहत, आरआरटीएस के आठ कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। पहले चरण में, दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-पानीपत और दिल्ली-एसएनबी यानी एनसीआर में रैपिड रेल का काम होना है। हरियाणा के मुख्यमंत्री की इस पहल से मेरठ से करनाल का सफर करीब 100 मिनट में तय होगा। मेरठ से दिल्ली 50 मिनट और दिल्ली से करनाल का सफर भी अगले 50 मिनट में हो जाएगा।

100

मिनट में होगा सफर, 50 मिनट में मेरठ से दिल्ली, अगले 50 मिनट में दिल्ली से करनाल

सराय काले खां होगा जंक्शन

दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर का 103 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें 17 आरआरटीएस स्टेशन (सराय काले खां सहित) होंगे। सराय काले खां दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर का भी महत्वपूर्ण स्टेशन के साथ ही जंक्शन होगा। इस परियोजना के तहत, पहले दिल्ली-पानीपत नॉर्थ स्टेशन आखिरी स्टेशन था। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अफसरों को घरौंडा, करनाल तक एक स्टेशन बनाने का निर्देश दिया।

यूपी, दिल्ली और हरियाणा को होगा फायदा

तीनों गलियारे कुल 291.67 किलोमीटर के होंगे जिसमें से 50 प्रतिशत से अधिक (149.31 किलोमीटर) हरियाणा में है। इसलिए इन गलियारों के पूरा होने के बाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी, सोनीपत, पानीपत और करनाल के यात्रियों को काफी हद तक फायदा होगा। वहीं दिल्ली से उत्तर-पूर्वी दिशा में निकलते हुए, इस कॉरिडोर का उद्देश्य दिल्ली को सोनीपत, गन्नौर, समालखा, पानीपत और करनाल से जोड़ना है। इस तरह यूपी, दिल्ली, हरियाणा के करोड़ों लोगों को फायदा होगा। आरआरटीएस स्टेशनों और ट्रेनों को अन्य परिवहन साधनों जैसे एयरपोर्ट, रेलवे, मेट्रो और आईएसबीटी आदि के साथ समेकित रूप से एकीकृत किया जाएगा। स्टेशन पर ट्रेन को इंटरचेंज किए बिना एक गलियारे से दूसरे तक यात्रा करने में सक्षम होगा।